

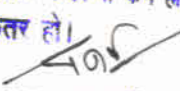


आचार्य उर्फ दाबुडा — भगवाना नू.नं. - 254/2011

दिनांक	आज्ञा पत्र	
<p>2/4/17</p> <p>21-6-17</p> <p>31-7-17</p>	<div style="text-align: center;">  <p>सत्यमेव जयते</p> <p>Web Copy - Not Official</p> </div> <p>पत्रावली प्रस्तुत तकील अपीलान्त 'रेपो' उदाहरण...</p> <p>कोषिका नं. 21/6/17</p> <p>पत्रावली नं. 21/6/17</p> <p>कोषिका नं. 21/6/17</p>	
<p>21/7/17</p> <div style="text-align: center;">  </div>	<p>पत्रावली पेश। वकील अपीलान्त एवं अपीलान्त कर्म को बार बार आवाज दिलाई गई न्यायालय कर्म संचालक 6 बजे तक बार बार दिलाई गई। इन्तजार किन्तु उसको बावजूद अपीलान्त एवं उनके अधिकारता अनुपस्थित रहे फलस्वरूप अपील अपीलान्त अदम हाजरी एवं अदम पैरवी में आरिज की जाती है। निर्णय सरे इजलास सुनवाया गया। प्रकरण फौजल शुमार लेकर नम्बर से कम होकर बाद तारीख तकमील दफ्तरिल टफतर हो।</p> <p style="text-align: center;">  प्रवन्ध अधिकारी एवं पब्लिक रिलेशन्स अपील अधिकारी सीकर </p>	